Newspaper : Denik Jagran

Edition: Dehradun | Date: 26th March, 2019 | Pg: 09

'शिक्षा वाणी' पर मिलेंगे सीबीएसई से जुड़े अपडेट

जागरण संवाददाता, देहरादून : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सीबीएसई-शिक्षा वाणी नाम से एक एप तैयार किया है। जिसमें बोर्ड ऑडियो क्लिप के माध्यम से तमाम सूचनाएं व जानकारी प्रदान करेगा। सीबीएसई ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि वह इस एप का उपयोग करें।

इस एप के माध्यम से बोर्ड की गतिविधियों को समय-समय पर ऑडियो क्लिप के जरिये जाना जा सकेगा। बोर्ड के अनुसार लिखित सूचना ज्यादा उलझाने वाली होती है। देखा गया है कि मौखिक जानकारी या सूचना अधिक प्रभावशाली होती है। इस पोडकास्ट सुविधा का उपयोग अकादमिक और प्रशिक्षण फल के लिए किया जा रहा है। शिक्षा वाणी में छात्र, अभिभावक और प्रधानाचार्यों के लिए अलग-अलग सेक्शन हैं। इसके अलावा एक 'रिसेंट' का टैब भी होगा, जिसमें एकदम नए ऑडियो/ वीडियो मिलेंगे। अभी एप सिर्फ रजिस्टर्ड यूजर्स, जैसे छात्र, शिक्षक, अभिभावक आदि के लिए उपलब्ध है।सीबीएसई ने कहा है कि एप का प्रयोग वह बोर्ड परीक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में नई और अपडेटेड जानकारी और दिशा-निर्देशों के लिए करेगा। सीबीएसई-शिक्षा वाणी एप्ले स्टोर पर उपलब्ध है। एंड्रॉयड फोन पर इसे एप्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इसे डाउनलोड करने के बाद सदस्य आसानी से अपने फोन पर ऑडियो और वीडियो फाइलों को पा सकेंगे।

सुविधा

- ऑडियो क्लिप के माध्यम से दी जाएगी तमाम सूचनाएं व जानकारी
- सीबीएसई ने सभी प्राचार्यों को दिए हैं निर्देश, करें एप का उपयोग

बोर्ड ने सभी हितधारकों को सूचित किया है कि परीक्षा के संचालन में और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित पहला पोडकास्ट अपलोड कर दिया गया है। बोर्ड उचित और उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रौद्योगिकी के उपयोग में विश्वास रखता है, ताकि इसका उचित प्रसार हो सके। 2019 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, मूल्यांकन में शून्य-त्रुटि और मानक प्रत्यक्ष मूल्यांकन केंद्रों के लिए बोर्ड ने पोडकास्ट तैयार किया है।

अब टॉपर की कॉपी से होगी पढ़ाई

: सीबीएसई स्कूलों को अब टॉपर की उत्तर पुस्तिकाएं भेजी जाएंगी। इन कॉपी से 9वीं-11वीं के साथ ही बोर्ड परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को पढ़ाया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों को कम से कम पांच साल के क्वेश्चन बैंक का अभ्यास करवाने को भी कहा गया है।

बता दें, इस बार बोर्ड परीक्षा में पिछले तीन-चार साल के प्रश्नों को दोहराया गया है। जिन छात्रों ने क्वेश्चन बैंक की तैयारी अच्छे से की थी, उन्हें परीक्षा के दौरान बहुत फायदा हुआ। अभी तक बोर्ड टॉपर की उत्तर पुस्तिकाएं केवल मांगने पर ही दी जाती थीं। अगर किसी छात्र को टॉपर की कॉपी देखनी होती थी तो छात्र बोर्ड के पास सूचना का अधिकार के तहत आवेदन देते थे। लेकिन अब बोर्ड खुद ही टॉपर की कॉपी को सार्वजनिक करेगा।